प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–2019
कक्षा–12
बहीखाता एवं लेखाशास्त्र

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न संख्या–1 से 10 तक बहुविकल्पीय हैं। प्रश्न संख्या–11 से 20 अति लघु उत्तरीय हैं, जिनका प्रत्येक उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखना है। प्रश्न संख्या–21 से 26 तक लघु उत्तरीय हैं, जिनका प्रत्येक उत्तर लगभग 100 शब्दों के अन्तर्गत लिखना है। प्रश्न संख्या–27 से 30 तक दीर्घ उत्तरीय हैं, जिन्हें हल करना है।

(iii) सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित है।

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

सही उत्तर का चयन कीजिए तथा उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

1– ख्याति का प्रश्न उत्पन्न होता है– 1

(i) नये साझेदार के प्रवेश पर

(ii) साझेदार के अवकाश ग्रहण पर

(iii) व्यापार के क्रय–विक्रय करने पर

(iv) इन सभी स्थितियों में

2– साझेदारी अधिनियम लागू हुआ– 1

(i) सन् 1932 में (ii) सन् 1956 में

(iii) सन् 1947 में (iv) इनमें से कोई नहीं

3– साझेदारी में सामान्य सदस्यों का दायित्व होता है– 1

(i) सीमित (ii) असीमित

(iii) इनमें से कोई नहीं। (iv) उपर्युक्त(i)एवं(ii) दोनों

4— वसूली खाता है— 1

(i) व्यक्तिगत खाता (ii) वास्तविक खाता

(iii) नाम—मात्र खाता (iv) इनमें से कोई नहीं।

5— एक निजी कम्पनी में सदस्यों की न्यूनतम संख्या होती है— 1

(i) 2 (ii) 7

(iii) 10 (iv) इनमें से कोई नहीं

6— यदि किसी कम्पनी के 15% चुकता अंश पूँजी सरकार के पास है तो वह कम्पनी कहलाती है— 1

(i) सूत्रधारी कम्पनी (ii) सहायक कम्पनी

(iii) सरकारी कम्पनी (iv) लोक कम्पनी

7— सर्वाधिक सुरक्षित ऋण पत्र होता है— 1

(i) बन्धक ऋणपत्र (ii) पंजीकृत ऋणपत्र

(iii) गोपनीय ऋणपत्र (iv) इनमें से कोई नहीं

8— चालू दायित्व के भुगतान की अधिकता अवधि है— 1

(i) 12 माह (ii) 15 माह

(iii) 24 माह (iv) इनमें से कोई नहीं

9— ह्रास एक है— 1

(i) व्यय (ii) प्रावधान

(iii) आय (iv) इनमें से कोई नहीं

10— पेशेवर व्यक्ति अपने आय—व्यय का हिसाब रखते हैं— 1

(i) रोजनामचे में (ii) तलपट में

(iii) रोकड़बही में (iv) इनमें से सभी में

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

11— ख्याति का आशय लिखिए। 2

12— साझेदारी के विघटन से क्या आशय है? 2

13— त्याग अनुपात की गणना क्यों की जाती है? 2

14— संचित लाभ किसे कहते हैं? 2

15— कम्पनी की परिभाषा लिखिए। 2

16— अधिलाभांश अंश किसे कहते हैं? 2

17— लाभांश समानीकरण कोष क्या है? 2

18— प्रतिभूतियों का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

19— साझेदारी संलेख से आप क्या समझते हैं? 2

20— लागत किसे कहते हैं? 2

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

21— स्थायी पूँजी खाता एवं परिवर्तनशील पूँजी खता में अन्तर लिखिए। 5

22— अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार की देय राशि की गणना की विधि स्पष्ट कीजिए। 5

23— साझेदारी विघटन एवं साझेदारी फर्म के विघटन में अन्तर लिखिए। 5

24— कम्पनी के पार्षद सीमा नियम की विषय सामग्री लिखिए। 5

25– अनुपात विश्लेषण के महत्व का वर्णन कीजिए। 5

26– ब्याज व लाभांश में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

27– अमर एवं आकार एक फर्म में साझेदार थे और लाभ–हानि बराबर के अनुपात में बाँटते थे। 31 दिसम्बर,1917 को फर्म का आर्थिक चिट्ठा निम्नलिखित था– 10

दायित्व		रकम	सम्पत्ति	रकम
लेनदार		34,000	रोकड़	8,000
पूँजी–			बैंक	5,000
अमर	15000		देनदार	10,000
आकार	12000	27,000	स्टॉक	20,000
			फर्नीचर	10,000
			भवन	8,000
		61,000		**61,000**

1 जनवरी, 1918 को उन्होंने आदर्श को निम्न शर्तों पर फर्म में प्रवेश दिया:–

(i) आदर्श अपने हिस्से की पूँजी 15000 तथा ख्याति 4000 नकद लायेगा।

(ii) स्टॉक का मूल्यांकन 18000 तथा फर्नीचर का मूल्यांकन 14000 ` किया जायेगा।

(iii) साझेदारों का नया लाभ–हानि अनुपात बराबर होगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों का पूँजी खाता तथा नई फर्म का आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

अथवा

'गार्नर बनाम मरे' वाद में दिये गये निर्णय की विवेचना कीजिए। क्या गार्नर बनाम मरे का सिद्धान्त भारत में लागू होता है? 10

28– मेरठ कॉटन मिल ने 20,000 अंश ` 10 वाले का निर्गमन निम्नलिखित शर्तों पर किया–

आवेदन पर ` 2, आवंटन पर ` 2, प्रथम याचना पर ` 3 तथा शेष अन्तिम याचना पर देय थे। एक आवेदक जिसे 200 अंशों का आवंटन किया गया था, आवंटन की राशि देने में असमर्थ रहा, कम्पनी ने उसके अंशों का हरण प्रथम याचना के पूर्व कर लिया। पूरी याचना के बाद हरण किए गये अंशों का पुर्ननिर्गमन ` 9 प्रति अंश की दर से किया गया। जर्नल में लेखे कीजिए। अंशो पर पूर्व राशि प्राप्त हो गयी। 10

अथवा

ऋण पत्र भुगतान की विभिन्न पद्धतियों का वर्णन कीजिए। 10

29– सत्यम कम्पनी ने 1 जुलाई, 2015 को ` 40,000 की एक मशीन खरीदी एवं इसके ढुलाई एवं स्थापना में ` 5000 व्यय किए। 1 जनवरी, 2017 को एक अन्य मशीन ` 50,000 में खरीदी। कम्पनी घटते शेष पद्धति से ह्रास का आयोजन करती है। तीन वर्ष का मशीन खाता बनाइए जबकि कम्पनी अपना खाता 31 मार्च को बन्द करती है। 10

अथवा

आगम शोधन खाता एवं आय–व्यय खाते में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 10

30— निम्नलिखित सूचना से 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए एक विनिर्माणी कम्पनी का संचालन से कुल आगम की गणना कीजिए: 10

विक्रय ` 9,36,000, विक्रय वापसी ` 36000, स्क्रेप की बिक्री ` 4500, प्रतिभूतियों पर ब्याज ` 5400, आय कर की वापसी 1800 ।

अथवा

निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर 31 मार्च, 2018 को ए0वी0सी0 कम्पनी लिमिटेड का आर्थिक चिट्ठा बनाइए: 10

ख्याति 15000 `, मशीनरी 1,00,000 `, भूमि व भवन 1,20,000 `, अन्तिम रहतिया 84,000 `, विविध लेनदार 1,13,800 `, विविध देनदार 52,000 `, मोटर कार 16,000 `, फर्नीचर 12000 `, विनियोग 1,40,000 `, रोकड़ 4000 `, बैंक 14,000 `, सामान्य संचय 16,000 `, देय विपल 10,000 `, प्राप्य विपल 20,000 `, अंश पूँजी 4,00,000 `, 10% ऋण पत्र 60,000 `, अवशिष्ट याचना 16,000 `, वर्ष 2017—18 के लिए शुद्ध लाभ 1,03,800 `।

समायोजनाएँ :

(i) शुद्ध लाभ की गणना भूमि व भवन पर 5%, मशीनरी पर 10%, मोटरकार पर 25%, फर्नीचर पर 15% की दर से ह्रास काटने तथा देनदारों पर 5% की दर से अशोध्य ऋण के लिए प्रावधान करने के पश्चात् की गयी है।

(ii) सामान्य संचय की राशि को 20,000 ` तक बढ़ाना है।

———